Concern over lack of basic medical facilities in private hospitals in Bihar

श्री शंभू शरण पटेल (बिहार): धन्यवाद उपसभापति महोदय। आपने पूरे देश सहित बिहार के पटना में प्राइवेट अस्पताल में बेसिक मेडिकल सुविधाओं की कमी के संबंध में बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूं।

महोदय, स्वास्थ्य हमारे मानव जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। स्वास्थ्य ही धन है, ऐसा कहा जाता है। महोदय, 2005 के पहले बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था, अस्पतालों की व्यवस्था बहुत ही लचर थी। बिहार में 2005 के बाद से एनडीए की सरकार बनी है, तो वहां के अस्पतालों का, वहां के ग्रामीण क्षेत्र में जो स्वास्थ्य सुविधाएं हैं, उनमें बहुत ही सुधार हुआ है।

महोदय, पटना जैसे शहरों में जगह-जगह पर जैसे किराना की दुकान खुलती हैं, वैसी ही पटना और अन्य जगहों पर निजी अस्पताल खोल दिए गए हैं। वहां पर भ्रामक तरीके से लिखा जाता है मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, आसीसीयू, सीसीयू, लेकिन जब आप वहां पर जाएंगे, तो वहां पर किसी भी तरह की सुविधा लोगों को नहीं मिलती है। आए दिन अस्पताल के मरीजों और परिजनों का अस्पताल के मैनेजमेंट के साथ झगड़ा होता रहता है।

हमारी सरकार ने आयुष्मान जैसी योजनाओं को लागू किया, जिससे लाखों-करोड़ों गरीब लोगों को इसका लाभ भी हुआ है। मैं सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि जितने भी प्राइवेट अस्पताल हमारे प्रांत के हैं, खासकर के हमारे पटना के हैं, उनका केन्द्रीय स्वास्थ्य एजेंसी के सुपरवीजन में जांच की जाए, और यह पता करवाया जाए कि जिन सुविधाओं के बारे में वे बोल रहे हैं, उन सुविधाओं को वे लोगों को दे पाते हैं या नहीं दे पाते हैं। अगर वे दे पाते हैं, तो इसका मानक क्या है? बेवजह से जो लोगों को लूटा जाता है, एम्बुलेंस और अस्पतालों के बीच जो नेक्सस है, उसको समाप्त करने कि दिशा में सरकार पहल करे। यही आग्रह करने के लिए मैंने आज यह विषय उठाया है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Shambhu Sharan Patel: Dr. Bhim Singh (Bihar), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

धन्यवाद, माननीय शंभू शरण पटेल जी। Now, Shri Vaiko, "Concern over frequent attacks and arrest of Indian fishermen by Sri Lankan Navy."